# इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों को कॉम्पेक्ट करने की तकनीक बताएंगे एक्सपर्ट

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

जिन इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों का हम रोजमर्रा की दिनचर्या में उपयोग करते हैं, उनकी साइज और वजन भविष्य में कम होगा। इसके लिए दुनियाभर के तकनीकी के जानकार उपकरणों का सर्किट इस तरह डिजाइन कर रहे हैं कि छोटे से उपकरण में कई तरह के काम हो सकें। इसकी कास्ट भी कम हो सकेगी। इस तकनीक को वीएलएसआई (वेरी लार्ज स्केल इंटीग्रेशन) कहा जाता है। इस

**आईआईटी इंदौर में वेरी लार्ज स्केल इंटीग्रेशन तकनीक पर होगा इंटरनेशनल सिम्पोजियम**

## आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी के लिए उपकरणों पर होगी बात

आईआईटी में 4 से 6 जुलाई को होने जा रहे सिम्पोजियम में एक्सपर्ट बताएंगे कि ऐसे कौन-कौन से सिस्टम आ गए हैं, जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी का उपयोग किया जा रहा है। डिवाइस मॉडलिंग को लेकर भी एक्सपर्ट चर्चा करेंगे। आईआईटी विषय पर आईआईटी इंदौर ने दुनियाभर के तकनीकी एक्सपर्ट और रिसर्च स्कॉलर्स से रिसर्च पेपर आमंत्रित किए हैं। आईआईटी और विदेशों की जानी-मानी यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट रिसर्च पेपर का एनालिसिस करेंगे और सर्किट का बेस्ट डिजाइन करने वालों की रिसर्च पर चर्चा करेंगे। वीएलएसआई डिजाइन एंड टेस्टिंग सिम्पोजियम का आयोजन इंटरनेशनल स्तर पर किया जा रहा है।

ने इंटरनेशनल सिम्पोजियम में रिसर्च पेपर को शामिल करने के लिए रेगुलर पेपर जमा करने की आखिरी तारीख 15 फरवरी तय की है। रिसर्च करने वाले स्टूडेंट्स के लिए 2 अप्रैल 2019 आखिरी तारीख होगी। आयोजन में डिजाइन कांटेस्ट होगा। इसमें बेस्ट डिजाइन को सिलेक्ट किया जाएगा।

### वीएलएसआई पर काम होने से यह फायदे होंगे

- एक ही सर्किट में ज्यादा से ज्यादा माइक्रोप्रोसेसर और ट्रांजिस्टर लग सके इस तरह की डिजाइन की जरूरत बढ़ गई है।
- वीएलएसआई बेहतर होने से प्रोडक्ट की कॉस्ट कम होगी और कम पॉवर में भी डिवाइस संचालित हो सकेगा।
- डिवाइस का साइज कम हो सकेगा और ऑपरेटिंग सिस्टम की स्पीड भी बढ़ेगी।

**Nai dunia (Indore), 27th December 2018, Page-18**